आभार

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध **"Role of State in Education of Tribal Community: With special reference to Bharia Tribes in Patalkot Region (M.P)"** *विषय पर शोध करने का मेरा उद्देश्य मध्यप्रदेश के पातालकोट क्षेत्र में भारिया जनजाति की प्राथमिक शिक्षा में राज्य की भूमिका को जानना है, मेरे इस शोध कार्य में मुझे समस्त आत्मीयजनों से वांछित सहयोग, प्रेरणा व मार्ग दर्शन मिला है। यद्यपि इस उपलब्धि का मूल्य औपचारिकता के मात्र कुछ शब्दों के द्वारा नहीं आंका जा सकता तथा मैं सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ।*

प्रथम आभार उस सर्वशक्ति मान को जिनके द्वारा सृष्टि संचालित होती है और हमारे रगों में जो प्रेरणा के अंकुरण को विकसित कर हमें कर्तव्यों को निभाने के लिए क्षमता प्रदान करता है उस ईश्वर को नमन करती हूँ।

द्वितीय आभार अपने उस निर्देशक गुरू का जिन के सानिध्य और निर्देशन में यह शोध कार्य पूर्ण हुआ। मैं अपने पथ के पाथेय आदरणीय ***प्रो० सार्तिक बाघ जी*** *के प्रति श्रद्धानवत हूँ जिनके सहयोग, कर्मठ एवं परिश्रमशील व्यक्तित्व ने मुझे सदैव आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मेरे अपरिपक्व और कम स्पष्ट लेखन को लगातार नकारकर, अधिक समझ के साथ लिखने के लिए प्रेरित किया।*

निःसंदेह, इस शोध को करने में मैंने भी बहुत परिश्रम किया है, लेकिन उसे निखारने का कार्य मेरे शोध निर्देशक ने ही किया है। उन्होंने अपना बहुमूल्य समय मेरे लिखे गये प्रत्येक अध्याय को पढ़ने और विचार विमर्श करने में खर्च किया है। जिसकी बदौलत मैं यह शोध प्रबन्ध आज प्रस्तुत करने के योग्य हूँ। मैं इस कार्य के लिए उनको हार्दिक धन्यवाद करती हूँ।

अपने शोध कार्य को सहज बनाने हेतु मैं राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० रिपुसूदन सिंह, प्रो० शशिकान्त पाण्ड़ेय, डॉ० सिद्धार्थ मुखर्जी, डॉ० प्रीति चौधरी, प्रो० नरेन्द्र कुमार और डॉ० सुधीर कुमार सूथर जी एवं अन्य गुरूजनों को इस शोध प्रबन्ध पूर्ण करने के लिए सदा सहयोग एवं दिशा–निर्देश प्रदान करते रहने के लिए, मैं उनकी विशेष रूप से आभारी हूँ।

आभार की श्रृंखला में एक और कड़ी जोड़ते हुए मैं पूज्यनीय अपनी माता (स्वर्गीय) श्रीमती सरिता सिंह, पिताजी श्री बसंतलाल सिंह के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ जिनके मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं प्यार–दुलार से मैं इस शोध कार्य को पूर्ण कर सकी। मेरी पूज्या बड़ी दीदी ज्योति एवं जीजाजी, बडें भाईजी सुंदर और संतोष, नेहा एवं आत्मीयजनों की आजीवन आभारी

रहूगीं जिन्होनें मुझे निरन्तर प्रगति की दिशा में प्रवृत रहने की प्रेरणा दी एवं इस शोध कार्य को करने हेतु मुझे प्रोत्साहित किया।

आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्थान, भोपाल, मध्यप्रदेश से जनसंख्या संबंधी आँकड़े एवं जिला गजेटियर सुलभ कराने में श्रीमती माधुरी, डॉ० रामेन्द्र जी का भी अपेक्षित सहयोग मिला, आपकी मैं सहृदय आभारी हूँ। क्षेत्रीय सर्वेक्षण में मेरे साथ हमेशा श्री रामेश्वर प्रसाद जी एवं श्रीमती लक्ष्मी जी ने मुझे पूरा सहयोग दिया, आप लोगों को मैं हार्दिक धन्यवाद देती हूँ।

चयनित ग्रामों के मानचित्र एवं अन्य जनसंख्या संबंधी जानकारी एवं सहयोग प्रदान करने के लिये परियोजना अधिकारी, भारिया विकास अभिकरण, सहायक परियोजना प्रशासक, एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना, मध्यप्रदेश विज्ञान सभा, तामिया, जिला छिदवाड़ा के विभागों के कार्यालयों, के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। साथ ही सभी विद्यालयों और आश्रम शालाओं के अध्यापक, सहा. अध्यापक, अधीक्षक एवं सभी कर्मचारी गणों के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

अन्त में डॉ० रेखा शर्मा, डॉ० शशि त्रिपाठी, डॉ० सतेन्द्र, डॉ० शरीफ एवं हिमांशु सर की मैं सहृदय आभारी हूँ। आप सभी ने मेरे शोध कार्य को पूर्ण करने में अपेक्षित सहयोग प्रदान किया।

इसके बाद मैं उन सब उत्तरदाताओं का आभार प्रकट करना चाहती हूँ जिन्होंने अपने व्यस्त समय में मेरा खुलेमन से सहयोग दिया, जिसके फलस्वरूप शोध के विषय को व्यावहारिक धरातल पर जांचा–परखा गया। इसी के साथ श्री पी० एन० गढ़वाल, श्री एस० के० वंश, श्री आर० बी० चौरसिया, श्री आर० एस० राजपूत, श्री विनोद जी भी धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने शोध से सम्बंधित आंकड़ों को प्राप्त करने में मदद की।

मैं राजनीति विज्ञान विभाग के सभी कर्मचारियों की सहृदय से आभारी हूँ जिन्होंने औपचारिक कार्यों को सम्पन्न करने में मेरी बहुमूल्य सहायता की। और साथ ही समूचा बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय ही मेरे आभार का पात्र है। यहाँ का पुस्तकालय और पुस्तकालय में कार्यरत कर्मचारी बहुत सहृदय और सहयोगी हैं। इसके अतिरिक्त मैं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की आभारी हूँ जिसके द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति जे.आर.एफ./एस.आर.एफ. के कारण आर्थिक मदद प्राप्त हुई जिससे मेरा शोध कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण हो सका।

अन्ततः मैं इस शोध कार्य में सहयोग प्रदान करने के लिये डॉ० अनिल कुमार, डॉ० शैफाली सिंह, डॉ० रामबचन कुमार, डॉ० आनन्द प्रताप सिंह, डॉ० उपेन्द्र कुमार, डॉ० अभय सिंह, डॉ० अजय भारती, वीर कुमार राय, राजीव प्रजापति, रोहित कुमार, बृजेश तिवारी, राजीव सागर, माया, सुचित्रा, इन्दु, नेहा, रश्मि कुमारी, दिग्विजय यादव, स्वप्नेश मिश्रा, आशीष पाण्ड़ेय और राजनीति विज्ञान विभाग के अन्य सभी शोधार्थियों एवं साथियों के प्रति सहृदय पूर्वक आभार व्यक्त करती हूँ। इसके अतिरिक्त, इस कालावधि में बने मेरे सभी साथी, जिनसे मैं समय–समय पर विचार विमर्श करती रही भी मेरे धन्यवाद के पात्र हैं।

अन्त में मैं श्री सुबोध कुमार शुक्ला एवं श्रीमती रिंकी शुक्ला का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने मेरे शोध कार्य को पूरा करने में सहयोग दिया।

दीप्ति सिंह